हिन्दी दिवस २०१५

धीरूभाई अंबानी इंटरनैश्नल स्कूल {प्राथमिक विभाग}

धीरूभाई अम्बानी इंटरनैशनल स्कूल वह संस्था है जिसमें विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय सोच के साथ साथ भारतीय संस्कृति व मूल्यों का आदर व पालन करने की प्रेरणा बालपन से ही दी जा रही है। इसी परम्परा का पालन करते हुए १४ सितम्बर १९१५ को हिन्दी दिवस की सुबह सारा विद्यालय प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की निश्छल आवाज़ों से गूँज उठा।

हमारा देश एक बहु भाषीय देश है और सभी भाषाओं का समान रूप से आदर करते हुए, हिन्दी ही हमें आपस में जोड़े रखने में सक्षम है, इस विचार से हिन्दी को १४ सितम्बर १९४९ में राज भाषा घोषित किया गया था। अतः हमारी राज भाषा को सम्मान देने के लिए, सरस्वती वन्दना के बाद **'अपर के जी' तथा कक्षा 'एक'** के नन्हें बच्चों ने हिन्दी में सभी को प्रणाम करते हुए सब को हिन्दी दिवस की बधाई दी। उनकी मधुर वाणी को सुनकर सभी का हृदय हिन्दी के प्रति सम्मान व प्रेम से भर गया।

बधाई के बाद **कक्षा 'दो'** के विद्यार्थियों ने **'हिन्दी के गीतों की दुनिया में आओ'** गीत गाकर सबका मन मोह लिया। **कक्षा 'चार'** के बच्चों ने हिन्दी भाषा की मिठास का वर्णन **'हिन्दी है भाषा रसभरी'** गीत गाकर किया। सारा विद्यालय मानों हिन्दी के स्वरों से विभोर हो गया। दोनों ही गीत हिन्दी विभाग की शिक्षिका श्रीमती सुषमा रजनीश द्वारा रचित थे तथा उन्हें संगीत के तारों में बाँधा था विद्यालय के संगीत विभाग की श्रीमती शिवरंजनी माथुर तथा श्री निरंजन लेले ने।

गीतों के बाद **कक्षा 'तीन'** के बच्चों ने हिन्दी की प्रशंसा में स्वरचित नारों द्वारा विद्यालय के प्रांगण को गुँजा दिया। ऐसी रही हिन्दी दिवस की सुबह।

इस प्रातः कालीन सभा के अलावा कक्षा दो, तीन व चार के बच्चों ने स्वलिखित हिन्दी के नारों व कथनों से स्कूल को सजाया। माध्यमिक कक्षाओं में इस पखवारे में विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर कथन तथा नारे लिखने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हिन्दी दिवस विवरण
सुषमा रजनीश

For Hindi Diwas' Celebration - Audio Recording